राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 30 जून 2025
वर्ष 14, अंक 81, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

रविंद्रालय, लखनऊ में यादव महासभा का भव्य सम्मेलन सम्पन्न....03

दतिया मोड़ से नगला घीसा तक, रोड पर घटिया सामग्री को लेकर ग्रामीणों ने किया हंगामा.....04

## कैलाश खेर ने आप की अदालत में की PM Modi की तारीफ, कहा- मोदी जी बहुत प्यारे लगते हैं...

स्वतंत्र प्रभात

अपनी दिल छू लेने वाली आवाज़ और देशभक्ति गीतों के लिए मशहूर लोकप्रिय गायक-गीतकार कैलाश खेर ने शनिवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। रजत शर्मा के प्रतिष्ठित शो 'आप की अदालत' में अपनी उपस्थिति के दौरान खेर ने कहा, मोदी जी बहुत प्यारे लगते हैं। बहुत ही गहरी आत्मा है। हमारे सनातन धर्म, हमारे संतों, हमारे महापुरुष, हमारे पवित्र स्थानों और हमारे सांस्कृतिक संकेतों को पहले कभी इतना सम्मान नहीं मिला।

**'ऑपरेशन सिंदूर' और भाजपा के दिल्ली गीत पर खुलकर बोले खेर**

जब उनसे 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए उनके गाने के बारे में पूछा गया तो खेर ने दृढ़ता से जवाब दिया कि यह गीत भारत के सशस्त्र बलों के साहस और गौरव का जश्न मनाने के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा, मैंने भारतीयों के गौरव के लिए गाया, यह बताते हुए कि वह एक ऐसा क्षण था जब गाना सिर्फ़ एक कलात्मक विकल्प नहीं था बल्कि एक ज़रूरत थी। 2017 में पद्मश्री से सम्मानित खेर ने एक गीत भी लिखा था जिसे उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद बनाया था। इस पर उन्होंने कहा, ऐसे क्षण आते हैं जब अगर आप दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं और आपने इसकी दुर्दशा देखी है तो आप गाना चाहेंगे। यह गीत मेरे दिल से निकला है और एक कलाकार का कर्तव्य है कि वह न केवल गाए बल्कि जागरूकता भी फैलाए।

**मैंने अन्ना के लिए गाया, केजरीवाल के लिए नहीं**

2011 में अपने संगीत समर्थन के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए खेर ने स्पष्ट किया कि कई लोगों का मानना था कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल की प्रशंसा में गाना गाया था लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी। गायक ने स्पष्ट किया, नहीं मैंने उनकी (केजरीवाल की) प्रशंसा में गाना नहीं गाया। मैंने वह गाना अन्ना हजारे जी के लिए गाया था। मैं उस आदमी को जानता भी नहीं था जिसका आप नाम ले रहे हैं।

**सभी राजनीतिक दलों के लिए गायन पर दिया स्पष्टीकरण**

रजत शर्मा ने खेर से 2017 के उत्तर प्रदेश चुनावों में उनकी भागीदारी के बारे में भी पूछताछ की जहाँ उन्होंने साक्षात देवी के रूप में मायावती की प्रशंसा करते हुए गाने बनाए "धड़क धड़क अखिलेश" के साथ अखिलेश यादव का जश्न मनाया और राज्य को "गुंडा राज" से मुक्त करने के लिए योगी आदित्यनाथ की सराहना की। इस पर हल्के-फुल्के लेकिन गंभीर जवाब में खेर ने कहा, "कांग्रेस का भी गया था सर। क्या बात है! चारों के गए थे।" खेर ने बताया कि इन गीतों की रचना किसी राजनीतिक निष्ठा को ध्यान में रखकर नहीं की गई थी। उन्होंने कहा, "अपने करियर की शुरुआत में मैं हर मनुष्य में देवी और देवता को देखता था, उन्होंने आगे कहा कि उनकी संगीत यात्रा समय के साथ समझ और परिपक्वता के साथ विकसित हुई। ये गीत अलग-अलग समय पर बनाए गए थे। हुआ यह कि वे सभी एक साथ रिलीज़ किए गए। यह अलग-अलग समय का प्रयोग था। खेर ने समझाया इसे अपने जीवन के विभिन्न चरणों में कलात्मक अभिव्यक्ति की प्रकृति का श्रेय देते हुए। यह बातचीत कैलाश खेर के आध्यात्मिक और कलात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

## जगन्नाथ रथयात्रा भगदड़ मामलें में सरकार का बड़ा एक्शन

### DM और SP का किया ट्रांसफर, ष्ठष्टक्कऔर कमांडेंट निलंबित

स्वतंत्र प्रभात

पुरी रथयात्रा के दौरान मची भगदड़ के बाद ओडिशा सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (SP) का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। इस घटना में ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में DCP विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने विकास आयुक्त की निगरानी में एक विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश भी दिए हैं। सरकारी आदेश के अनुसार, चंचल राणा को पुरी का नया जिलाधिकारी, और पिनाक मिश्रा को नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। सरकार का यह कदम स्पष्ट संकेत देता है कि हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा और जवाबदेही तय की जाएगी।

**मुख्यमंत्री ने मांगी माफी**

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हादसे पर दुख जताते हुए प्रत्येक मृतक श्रद्धालु के परिवार को 25 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने विकास आयुक्त की निगरानी में उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर ओड़िया भाषा में श्रद्धालुओं से माफी मांगते हुए लिखा, "मैं और मेरी सरकार सभी श्रद्धालुओं से क्षमा याचना करते हैं। हम मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति दें।" उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि सुरक्षा चूक की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

**डीजीपी और डीएम की प्रतिक्रिया**

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा के डीजीपी वाई.बी. खुरानिया ने बताया, "इस बार रथयात्रा में पिछली बार की तुलना में अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। घटना की जांच जारी है और सभी तथ्य जल्द सामने आ जाएंगे।" वहीं, पूर्व जिलाधिकारी सिद्धार्थ स्वैन ने जानकारी दी कि "सुबह 4:20 से 5:40 बजे के बीच 15 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 12 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जबकि तीन लोगों की मौत हुई, जिनके शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।" स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद अग्रवाल को रथयात्रा की समग्र निगरानी का जिम्मा सौंपा है।

## संक्षिप्त ख़बरें

### मुंबई में 12 वर्षीय बच्चे को मिली पिस्तौल

**खिलौना समझकर चलाई गोली, बड़ा हादसा टला**

**दहिसर, मुंबई-** दहिसर के साईकृपा चॉल इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है जहाँ एक 12 वर्षीय बच्चे ने कचरे में मिली असली पिस्तौल को खिलौना समझकर गोली चला दी। सौभाग्यवश इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस को यह जानकारी शुक्रवार, 27 जून को मिली जब दहिसर पुलिस स्टेशन में तैनात कांस्टेबल कदम को सूचना दी गई कि घाटनपाड़ा नंबर 02 के पास खुले मैदान में "एक पिस्तौल और 04 राउंड" फेंके गए हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने छानबीन की, जिसमें पता चला कि इलाके के ही एक बच्चे को यह पिस्तौल मिली थी। उसे असली और नकली के फर्क का अंदाजा नहीं था और उसने खेल-खेल में गोली चला दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पिस्तौल और गोलियों को जब्त कर पंचनामा किया है। एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

### विद्युत करेंट लगने से युवक की मौत

**सिद्धार्थनगर।** मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर 5 के टोला बनरसिहा में शनिवार की दोपहर घर में विद्युत सप्लाई को ठीक करते समय करेंट लगने से एक युवक की मौत हो गई ।मृतक लवकुश (26) पुत्र दयाराम बताया जाता है। मृतक शनिवार की दोपहर विद्युत आने पर घर की लाइट न ठीक रहने पर लाइट ठीक करते समय विद्युत करेंट लगने से घायल हो गया था उसे स्वजनों ने आनन-फानन में सीएचसी बर्डपुर पर ले गए जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत देख कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने मृत्यु घोषित कर दिया।

## चमचम बोरी नकली माल, भाजपा राज में भाजपा जैसा खाद का हाल- अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात

**लखनऊ-** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा राज में भाजपा जैसा ही खाद का हाल हो गया है। भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि मुझे लग रहा है कि सपा प्रमुख को खाद को लेकर सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई से पीड़ा है।

अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट में शायराना अंदाज में कहा "है चमचम बोरी नकली माल, भाजपा जैसा खाद का हाल", भाजपा राज में।" यादव ने इसी पोस्ट में दो मिनट 23 सेकंड का खबर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी बोरियों में नकली खाद की बिक्री की जानकारी दी गई है।



**भाजपा ने किया पलटवार**

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने सपा प्रमुख के बयान पर पलटवार करते हुए कहा, "सपा मुखिया अखिलेश जी की परेशानी का कारण योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार की भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश की नीति है। जब भी अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, सपा मुखिया परेशान हो जाते हैं। अभी चंद दिन पहले ही योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निर्देश पर कई खाद विक्रेताओं की जांच की गई थी, कई के खिलाफ कार्रवाई हुई और सीतापुर जिले के कृषि अधिकारी निलंबित भी किए गए हैं।" भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया, ''मुझे लगता है कृषि मंत्री शाही द्वारा जिलो में 'फर्टिलाइजर' को लेकर की जा रही जांच और कार्रवाई से अखिलेश जी पीड़ा में हैं।"

## जहां झुग्गी, वहां मकान नहीं, जहां झुग्गी, वहां मैदान अरविंद केजरीवाल ने मोदी की गारंटी को कहा फर्जी और झूठी

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली में झुग्गियों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने रविवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस प्रदर्शन में केजरीवाल ने जमकर मोदी सरकार पर हमला बोला।

**झुग्गियों को तोड़कर किया अन्याय - केजरीवाल**

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि बीजेपी ने गरीबों की झुग्गियां तोड़कर उनकी रोजी-रोटी छीन ली। जो लोग झुग्गी में रहते हैं वे उसके आस-पास ही नौकरीया करते हैं। झुग्गीयों के टूटने से रोजगार चला जाता है। उन्होंने एक तरह से आपको बहुत बड़ी मुसीबत में डाल दिया है।

**'जहां झुग्गी, वहां मकान' नहीं, 'जहां झुग्गी, वहां मैदान'**

केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मोदी की गारंटी झूठी साबित हुई है। उन्होंने कहा था कि 'जहां झुग्गी, वहां मकान...' लेकिन उसका मतलब यह था कि 'जहां झुग्गी, वहां मैदान...'। चुनाव से पहले बीजेपी के नेता आपकी झुग्गी बस्तियों में रातें गुजारते थे, अब वही बस्तियां उजाड़ी जा रही हैं।

**ये दिल्ली की हर झुग्गी मिटाना चाहते हैं - केजरीवाल**

अरविंद केजरीवाल ने कहा, "अगर गरीबों की झुग्गियां उजाड़ दी गई, तो दिल्ली कैसे चलेगी? रसोइया, ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड, ऑटो चालक, अखबार और दूध पहुंचाने वाले, ये सभी झुग्गियों में रहते हैं। बीजेपी की योजना दिल्ली की हर झुग्गी खत्म करने की है। करीब 40 लाख लोग इन बस्तियों में रहते हैं। सभी एकजुट हो जाओ, जिस दिन आप सड़कों पर आ गए, सरकार की मुश्किलें बढ़ जाएगी।"

**बीजेपी-कांग्रेस दोनों भाई-बहन ही हैं - केजरीवाल**

पूर्व सीएम केजरीवाल ने बीजेपी और कांग्रेस पर एक साथ हमला बोलते हुए कहा कि, 'सारे इंजन तुम्हारे हैं। पांच महीने पहले हम एक व्यवस्थित दिल्ली छोड़कर गए थे। लेकिन 75 सालों में किसी ने न तो पानी का इंतज़ाम किया, न बिजली का। बीजेपी और कांग्रेस केवल लूटने के इरादे से आती हैं। बीजेपी-कांग्रेस दोनों बहन-भाई ही हैं। 'उन्होंने आगे कहा, 'दिल्ली में करीब 40 लाख लोग झुग्गियों में रहते हैं। अब समय आ गया है कि सभी लोग एकजुट हों, ताकि कोई आपकी झुग्गियां तोड़ने की हिम्मत न कर सके। 'उन्होंने मंच से लोगों को बीजेपी और कांग्रेस को वोट न देने की शपथ भी दिलाई और कहा, "मैं आज ये कसम खाता हूं कि अब कभी भी बीजेपी या कांग्रेस को वोट नहीं दूंगा।"

**बुलडोजर नहीं रोके, तो सरकार नहीं बचेगी**

केजरीवाल ने चेताया कि अगर झुग्गियों पर बुलडोजर नहीं रोके गए तो बीजेपी सरकार को जनता उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार इसी जंतर-मंतर से गिरी थी, और अब बीजेपी की बारी है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि, सरकार जनता की सेवा करने के बजाय विपक्षी नेताओं पर FIR कराने में व्यस्त है।

**आप नेताओं की तीखी टिप्पणियाँ**

आप नेता गोपाल राय ने सख्त लहजे में कहा, 'अगर गरीबों की झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया गया और उन्हें बसाया नहीं गया, तो पुलिस और सत्ता की ताकत के बावजूद हम प्रधानमंत्री के निवास तक पहुंचकर उसे खाली कराने से पीछे नहीं हटेंगे। 'वहीं, सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, 'बीजेपी दिल्ली से बिहारी मूल के लोगों को बाहर करने की कोशिश कर रही है। जो लोग उन्हें 'रोहिंग्या 'कह रहे हैं, वे याद रखें, बिहार के लोग बीजेपी को खुद उनके ही राज्य से बाहर कर देंगे।'

## वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में खुलासा, वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूत है भारत की अर्थव्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात

वित्त मंत्रालय की 'मासिक आर्थिक समीक्षा मई 2025' में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में ही भारत की अर्थव्यवस्था ने भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद मजबूत और लचीला प्रदर्शन किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आर्थिक स्थिति स्थिर बनी हुई है, और समग्र रूप से आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक दिख रहा है। समीक्षा में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के माहौल में भी मजबूती दिखाई है, जिसे घरेलू मांग में सुधार, मुद्रास्फीति में कमी, रोजगार की स्थिर स्थिति और निर्यात क्षेत्र की मजबूती का सहयोग मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-वे बिल, ईंधन की खपत और पीएमआई (PMI) सूचकांक जैसे हाई-फ्रीक्वेंसी संकेतक इस बात की पुष्टि करते हैं कि आर्थिक गतिविधियां FY26 की शुरुआत में भी स्थिर रही हैं।

**ग्रामीण और शहरी मांग में सुधार**

ग्रामीण मांग में वृद्धि की वजह अच्छी रबी फसल और सकारात्मक मानसून पूर्वानुमान को बताया गया है। शहरी खपत को बढ़ती पर्यटन और व्यावसायिक यात्राओं से बल मिल रहा है, जो हवाई यात्रा और होटल बुकिंग में बढ़ोतरी के रूप में सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माण सामग्री और वाहन बिक्री जैसे कुछ क्षेत्रों में मंदी के संकेत दिखे हैं। मई 2025 में खाद्य और खुदरा मुद्रास्फीति में सतत और व्यापक गिरावट दर्ज की गई, जिसका श्रेय कृषि उत्पादन में मजबूती और सरकारी हस्तक्षेपों को दिया गया।

**वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव**

वैश्विक घटनाक्रमों के कारण 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। हालांकि दूसरी तिमाही में कुछ हद तक स्थिति सामान्य हुई। इस दौरान भी भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार ने मई में स्थिरता और विश्वास बनाए रखा। इसकी प्रमुख वजह रही भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा और FY25 की अंतिम तिमाही की मजबूत वृद्धि। इस कारण सरकारी बॉन्ड पर जोखिम प्रीमियम घटकर 182 बेसिस पॉइंट रह गया।

**बाहरी क्षेत्र की स्थिति**

भारत के कुल निर्यात (माल और सेवाएं) में मई 2025 में 2.8त्न की सालाना वृद्धि दर्ज की गई, जो वैश्विक आर्थिक मंदी और टैरिफ अस्थिरता के बावजूद निर्यात क्षेत्र की मजबूती दर्शाता है। 13 जून तक, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 699 बिलियन पर बना रहा, जो 11.5 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है। भारतीय रुपया अन्य वैश्विक मुद्राओं की तुलना में मध्यम अस्थिरता के साथ स्थिर बना रहा।

**रोजगार में मजबूती**

रिपोर्ट में बताया गया कि श्रम बाजार भी स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। AI/ML, बीमा, रियल एस्टेट, BPO/ITES और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में व्हाइट-कॉलर नौकरियों में तेजी देखी गई। PMI के रोजगार उप-सूचकांक में तेजी से वृद्धि देखी गई, जो मजबूत रोजगार सृजन का संकेत है। इसके अलावा, ईपीएफओ (EPFO) के आंकड़े औपचारिक रोजगार में निरंतर सुधार दिखा रहे हैं।

**FY25 की मजबूत नींव और FY26 की सकारात्मक शुरुआत**

FY25 में भारत की अर्थव्यवस्था ने कठिन वैश्विक हालातों के बीच भी स्थायित्व बनाए रखा। निजी उपभोग और सेवाक्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विकास को गति दी। यही सकारात्मक रुख FY26 के शुरुआती महीनों में भी देखने को मिला है, जो विभिन्न हाई-फ्रीक्वेंसी संकेतकों के प्रदर्शन से स्पष्ट है।

## जमीनी विवाद में हुई फायरिंग, शिक्षक को लगी गोली

### ●गंभीर रूप से घायल, पूरा गांव छावनी में तब्दील

स्वतंत्र प्रभात

**बस्ती-** उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में छावनी थानाक्षेत्र के बहवा कलानी खुर्द गांव मे रविवार को जमीनी विवाद को लेकर फायरिंग शुरू हो गई, जिसमे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने बताया कि छावनी थाना क्षेत्र के बहवा कलानी खुर्द गांव मे जमीनी विवाद को लेकर लालमणि तिवारी एवं रामसूरत तिवारी के बीच कहासुनी हो रही थी, तभी अचानक लालमणि तिवारी ने फायरिंग करना शुरू कर दी, जिससे रामसूरत को गोली लग गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती किया गया।

**घायल को अयोध्या किया रेफर**

घायल अवस्था में उसे उपचार के लिए विक्रमजोत ले जाया गया, स्थिति बिगड़ते देखते हुए चिकित्सको ने अयोध्या दर्शन नगर के लिए रेफर कर दिया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पूरा गांव छावनी बन गया है। गांव के लोग डरे हुए है। पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि इन दोनो लोगो का जमीनी विवाद कई महीनों से चल रहा है जांच पड़ताल करायी



जा रही है पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करके आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

**जमीनी विवाद को लेकर पहले भी हो चुकी घटनाएं**

गौरतलब हो कि बस्ती जिले में वर्तमान समय मे जमीन के विवाद को लेकर घटनाएं निरन्तर बढ़ रही है। अभी पिछले दिनों जमीनी विवाद को लेकर एक बालिका की हत्या कर दी गई और उसके परिजनों को धारदार हथियार से घायल कर दिया गया था। जिसमें सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कराई गई। दूसरा प्रकरण कोतवाली सदर क्षेत्र का है इस मामले में पुलिस की शह पर एक पक्ष द्वारा जबरन दीवार गिरा कर जमीन कब्जा किया जा रहा था जिसमे कोतवाल और चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है तथा पीड़ित को न्याय दिलाने केलिए पुलिस उपमहानिरीक्षक तथा मण्डलायुक्त को आगे आना पड़ा।

# जब हुनर ने तोड़ी डिग्री की दीवार- रिंकू सिंह की नियुक्ति पर बहस

[बिना पीजी रिंकू बीएसए- व्यवस्था पर सवाल या नवाचार?]

मैदान पर गगनचुंबी छक्कों से दुनिया को हतप्रभ करने वाले रिंकू सिंह अब एक नए और अनपेक्षित क्षेत्र में कदम रख रहे हैं–उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) के पद पर उनकी नियुक्ति ने न केवल खेल प्रेमियों, बल्कि पूरे देश का ध्यान खींचा है। यह खबर जितनी चौंकाने वाली है, उतनी ही प्रेरणादायक भी, क्योंकि रिंकू, जिन्होंने अभी हाईस्कूल की पढ़ाई भी पूरी नहीं की, अब एक ऐसे प्रशासनिक पद पर आसीन हो रहे हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातकोत्तर (पीजी) निर्धारित है। यह नियुक्ति, जो उत्तर प्रदेश सरकार की अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली के तहत हुई है, न केवल नियमों की अनूठी व्याख्या प्रस्तुत करती है, बल्कि यह उस दूरदर्शी सोच को भी रेखांकित करती है, जो खेल की असाधारण उपलब्धियों को प्रशासनिक जिम्मेदारियों से जोड़कर समाज में नई प्रेरणा का संचार करती है। सवाल यह है कि क्या एक क्रिकेटर, जिसने गेंद को सीमा रेखा पार कराने में महारत हासिल की, अब शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भी वही जादू बिखेर पाएगा? उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल, जिसमें रिंकू सिंह सहित सात अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को विभिन्न विभागों में नियुक्त किया गया है, खेल और प्रशासन के बीच एक अभूतपूर्व संगम को दर्शाती है। इस नियमावली के तहत, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को शैक्षिक योग्यता की बाध्यता से मुक्त रखा गया है। यह नीति उस प्रगतिशील दृष्टिकोण को उजागर करती है, जहां प्रतिभा और समर्पण को कागजी डिग्रियों से ऊपर प्राथमिकता दी जाती है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि रिंकू जैसे ख्यातिलब्ध खिलाड़ी न केवल युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, बल्कि शिक्षा विभाग जैसे संवेदनशील क्षेत्र में ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाकर इसे और प्रभावी बना सकते हैं। उनकी मौजूदगी नई पीढ़ी को यह संदेश देती है कि मेहनत, जुनून और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। रिंकू की यह नियुक्ति केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश है, जो यह बताता है कि खेल की उपलब्धियां समाज के हर क्षेत्र में बदलाव की बुनियाद बन सकती हैं। हालांकि, यह नियुक्ति अपने साथ कुछ कठिन शर्तें भी लाती है। रिंकू को अगले सात वर्षों में निर्धारित शैक्षिक योग्यता हासिल करनी होगी, अन्यथा वे पदोन्नति के अवसर से वंचित रह जाएंगे। इसके अलावा, उनकी नियुक्ति उसी वर्ष भर्ती हुए अन्य अभ्यर्थियों में कनिष्ठ स्तर पर होगी। यह प्रावधान न केवल नीति की पारदर्शिता और जवाबदेही को दर्शाता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि खेल की उपलब्धियों का सम्मान करते हुए प्रशासनिक जिम्मेदारियों के लिए आवश्यक योग्यता को महत्व दिया जाए। यह एक ऐसा संतुलन है, जो समाज को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या प्रतिभा और डिग्री के बीच का अंतर वाकई इतना गहरा है, जितना हम समझते हैं? यह नीति न केवल खिलाड़ियों को अवसर देती है, बल्कि उन्हें यह चुनौती भी देती है कि वे खुद को नए क्षेत्र में साबित करें। रिंकू सिंह की यह नियुक्ति एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है, जो खेल और शिक्षा के बीच एक अनोखा सेतु बनाती है। यह उन तमाम युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक संदेश है, जो अपने सपनों को सच करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। लेकिन यह नियुक्ति कुछ गंभीर सवाल भी उठाती है। क्या शैक्षिक योग्यता को पूरी तरह दरकिनार कर प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति अन्य योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय नहीं है? क्या यह नीति उन लोगों के लिए अवसरों को सीमित नहीं करती, जो वर्षों से शैक्षिक और प्रशासनिक तैयारी में जुटे हैं?

यह बहस न केवल नीतियों की गहराई को उजागर करती है, बल्कि समाज में खेल, शिक्षा और प्रशासन के बीच एक नए संवाद की शुरुआत करती है। यह एक ऐसा अवसर है, जो हमें यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि क्या हमारी व्यवस्था में प्रतिभा को प्रोत्साहन देने और योग्यता को संतुलित करने का सही तरीका अपनाया जा रहा है? रिंकू सिंह की कहानी केवल एक क्रिकेटर की कहानी नहीं है। यह उस भारत की कहानी है, जो प्रतिभा को पहचानता है, उसे अवसर देता है और उसे नई ऊंचाइयों तक ले जाता है। मैदान पर अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से लाखों दिल जीतने वाला यह युवा अब शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पारी खेलने को तैयार है। यदि रिंकू इस अवसर का उपयोग कर शैक्षिक योग्यता हासिल करते हैं और प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हैं, तो यह न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत होगी, बल्कि उन लाखों युवाओं के लिए एक ऐसी मिसाल होगी, जो सपनों को हकीकत में बदलने की ताकत रखते हैं। उनकी यह नई पारी न केवल शिक्षा विभाग के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक नया अध्याय लिखने का वादा करती है। यह नियुक्ति हमें एक गहरे सामाजिक सत्य की ओर भी ले जाती है। भारत जैसे देश में, जहां शिक्षा और खेल दोनों को अलग-अलग दायरे में देखा जाता है, रिंकू की कहानी इन दोनों को जोड़ने का एक अनूठा प्रयास है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपने युवाओं को उनके जुनून और प्रतिभा के आधार पर अवसर दे रहे हैं, या हम अभी भी पुरानी कसौटियों में बंधे हैं? रिंकू की यह यात्रा केवल एक प्रशासनिक नियुक्ति नहीं है; यह एक सामाजिक क्रांति का प्रतीक है, जो यह साबित करती है कि जुनून, मेहनत और प्रतिभा के आगे कोई बाधा टिक नहीं सकती।

रिंकू सिंह का यह नया अध्याय न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि सपने, चाहे वे क्रिकेट के मैदान पर हों या प्रशासन के गलियारों में, मेहनत और समर्पण से हकीकत में बदले जा सकते हैं। यदि रिंकू इस चुनौती को स्वीकार कर अपने नए किरदार में उत्कृष्टता हासिल करते हैं, तो वे न केवल एक क्रिकेटर के रूप में, बल्कि एक प्रशासक और प्रेरणा के प्रतीक के रूप में भी इतिहास रचेंगे। यह कहानी उस भारत की है, जो बदल रहा है, जो प्रतिभा को गले लगा रहा है, और जो यह साबित कर रहा है कि असंभव कुछ भी नहीं। रिंकू सिंह की यह पारी सिर्फ शुरुआत है–एक ऐसी शुरुआत, जो लाखों युवाओं को अपने सपनों की उड़ान भरने की हिम्मत देगी।

**प्रो. आरके जैन**

# काली इमरजेंसी और गुजरात व बिहार

12 जून, 1975 को जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश स्व. जगमोहन लाल सिन्हा ने यह फैसला दिया कि उत्तर प्रदेश के रायबरेली चुनाव क्षेत्र से 1971 में प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा लड़ा गया चुनाव अवैध तरीके अपनाये जाने के कारण रद्द किया जाता है तो उसी दिन गुजरात से भी यह खबर आई कि राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार हुई है और विपक्षी गठबन्धन लोकतान्त्रिक मोर्चे को बहुमत प्राप्त हुआ है। गुजरात में इस मोर्चे के नेता श्री बाबू भाई पटेल थे। उस समय देश भर में लोकनायक जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में सभी विपक्षी दल मिलकर इन्दिरा गांधी के शासन के खिलाफ आन्दोलन चला रहे थे, मगर 13 दिन बाद 25 जून को इन्दिरा जी ने पूरे देश पर आन्तरिक इमरजेंसी लगा दी और विपक्ष के सभी बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया।

इसी दिन 25 जून को दिल्ली के प्रैस एरिया बहादुर शाह जफर मार्ग की बिजली गुल कर दी गई और रात्रि को घोषणा की गई कि अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गई है। उस समय मैं इसी क्षेत्र के सबसे बड़े प्रकाशन संस्थान में काम करता था। अगले दिन सभी प्रमुख अंग्रेजी अखबारों ने अपने सम्पादकीय कालमों को खाली छोड़ा। इससे सन्देश चला गया कि सम्पादक की कलम को बन्दी बना लिया गया है। एक तरफ जहां दिल्ली में यह सब हो रहा था वहीं दूसरी तरफ गुजरात के अहमदाबाद में श्री बाबू भाई पटेल के नेतृत्व में लोकतान्त्रिक मोर्चे की सरकार बन चुकी थी। इमरजेंसी लगने के थोड़े समय बाद ही कांग्रेस ने इस सरकार को भी गिरा दिया। असल में गुजरात वह स्थल था जहां से 1974 के जन आन्दोलन की चिंगारी फूटी थी।सबसे पहले यहां छात्र आन्दोलन नागरिक सुविधाओं को लेकर शुरू हुआ और यह बिहार में फैला मगर बिहार में पहुंच कर यह शोले में तब्दील हो गया। बिहार के आन्दोलन में छात्रों का साथ देने जब समाजवादी नेता श्री जय प्रकाश नारायण आ गये तो राज्य के साहित्यकार भी इसमें कूद गये। प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणू भी पटना के गांधी मैदान में जेपी आन्दोलन में शामिल हो गये थे। गांधी मैदान में तब बिहार पुलिस ने लाठियों के बल पर आन्दोलनकारियों को दबाना चाहा था। लाठी खाने वालों में श्री रेणू भी थे। जेपी पहले से ही मांग कर रहे थे कि बिहार के तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री अब्दुल गफूर को पद से हटाया जाये क्योंकि उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार और अत्याचार के गंभीर आरोप लग रहे थे। इस प्रकार आन्दोलन का केन्द्र धीरे-धीरे गुजरात की जगह बिहार होता चला गया। बिहार में लगभग सभी विपक्षी दल जेपी के नेतृत्व के साये में आन्दोलन चला रहे थे। इनमें भारतीय जनसंघ के ठाकुर प्रसाद सिंह से लेकर समाजवादी नेता रामानन्द तिवारी और कर्पूरी ठाकुर तक शामिल थे। जेपी आन्दोलन से जुड़ने में स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह ने बहुत जल्दी दिखाई थी और अपने समाजवादी मित्रों के साथ कदम ताल करने में कोताही नहीं बरती थी। दर असल बिहार में स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह की कद- काठी का कोई दूसरा भाजपा नेता आज तक पैदा नहीं हुआ है। उन्होंने जनसंघ की जड़ें जनता के बीच फैलाई थीं। एक तरफ जब यह आन्दोलन चल रहा था और इसकी धमक राजधानी दिल्ली में भी सुनाई पड़ने लगी थी तो देश के सभी विपक्षी राजनीतिक दलों ने जेपी के नेतृत्व में स्वयं को समाहित किया मगर इस सबके चलते ही 25 जून, 1975 की तारीख आ गई और सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया, मगर इसके बाद जनसंघ व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं को भी पकड़-पकड़ कर जेलों में डाला गया। ऐसे समय में देश के वर्तमान प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकतन्त्र की अलख जगाने के उद्देश्य से वेष बदल कर काम किया और एक सिख युवक के रूप में वह जगह-जगह छिपते -छिपाते संगठन व राष्ट्र का काम करते रहे। उस समय श्री मोदी की आयु मात्र 25 वर्ष थी। गुजरात के और भी संगठन के कार्यकर्ताओं ने भी ऐसा करने की कोशिश की थी। 21 महीने बाद जब मार्च 77 में इमरजेंसी हटने की अधिकारिक घोषणा केन्द्र सरकार द्वारा की गई तो लगभग सभी कार्यकर्ताओं को चंगेजी शासन से निजात मिली। अब इमरजेंसी के बाद चुनाव होने थे। इन्दिरा जी को उम्मीद थी कि उनकी पार्टी कांग्रेस इन लोकसभा चुनावों में विजयी हो जायेगी, क्योंकि विपक्षी नेताओं के जेल चले जाने के बाद देश के भीतर उनके समर्थन में किसी प्रकार का आन्दोलन आदि नहीं हुआ था, मगर चुनावों की घोषणा होने के कुछ समय बाद देश के दलित कांग्रेसी नेता बाबू जगजीवन राम ने सरकार और पार्टी छोड़ने की घोषणा कर दी। उनके साथ उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा व हरियाणा के नेता भजनलाल ने भी कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया। इससे आम जनता में विपक्ष के पक्ष में तूफान जैसा खड़ा हो गया, हालांकि विपक्ष के खेमे में तब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर चौधरी चरण सिंह व राजनारायण और जार्ज फर्नाडीज जैसे दिग्गज थे और आचार्य कृपलानी जैसे महारथी जेपी के साथ मिल कर इन सभी नेताओं का मार्ग दर्शन कर रहे थे मगर बाबू जगजीवन राम के कांग्रेस छोड़ने की वजह से जमीनी चुनावी हवा पूरी तरह बदल गई और स्वतन्त्र भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार दलितों व मुस्लिमों ने कांग्रेस के स्थान पर विपक्ष को चुनाव में अपना मत दिया। विपक्षी दलों ने 1977 के चुनावों में कांग्रेस को हराने के लिए अपने - अपने अस्तित्व तक को समाप्त कर डाला और मिल कर जनता पार्टी बनाई। 1977 के चुनाव जमीनी आधार पर इसी पार्टी के झंडे के नीचे लड़े गये मगर चुनाव आयोग ने इसे मान्यता चुनाव हो जाने के बाद ही दी और चुनाव चौधरी चरण सिंह के भारतीय लोकदल के चुनाव चिन्ह कन्धे पर हल लिए किसान पर लड़े गये। तब कांग्रेस की तरफ से यह कहा गया कि इस पंचमेल पार्टी का प्रधानमन्त्री कौन होगा ? इस सवाल का जवाब आचार्य कृपलानी बहुत सलीके से देते थे और कहते थे कि जनता पार्टी जनता की पार्टी है और जनता जिसे चाहेगी वही प्रधानमन्त्री होगा। चुनाव इमरजेंसी के बाद हुए और जनता पार्टी को भारी जीत भी हासिल हुई मगर सरकार बामुश्किल ढाई साल भी नहीं चली । इन चुनावों में जनता पार्टी को 295 सीटें और कांग्रेस को 153 सीटें मिली, जबकि जनता पार्टी ने केवल 543 में से केवल 405 पर ही चुनाव लड़ा था और कांग्रेस ने सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर खड़े किये थे, मगर 1980 में जब पुनः चुनाव हुए तो इन्दिरा गांधी की कांग्रेस दोबारा भारी बहुमत से विजयी रही।

इसकी वजह राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि जनता पार्टी ने अपने प्रधानमन्त्री का चुनाव गलत किया, अगर मोरारीजी देसाई की जगह बाबू जगजीवन राम को 1977 में प्रधानमन्त्री बनाया गया होता तो देश की राजनीति की दिशा ही बदल जाती । मगर यह सिर्फ एक कयास है क्योंकि 1980 के बाद 1984 में भाजपा के सिर्फ दो सीटों पर सिमटने के बाद जिस तरह राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रवाद की अलख जगी उसने समस्त भारतीयों की अपेक्षाओं को नये आयाम देने का काम किया जिन्हें 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिशा देकर राजनीति के मूल अवयवों को ही नये सिरे से परिभाषित कर डाला। श्री मोदी ने राजनीति का स्थायी गुण बदलने का वह साहसिक कार्य किया है जिसे उनसे पहले कोई जनसंघ या भाजपा नेता नहीं कर सका था। अतः वर्तमान में हमें अपने लोकतन्त्र को लगातार मजबूत बनाये रखना होगा।

# दैनिक राशिफल



ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी




**मेष**–आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। जोखिम न लें।

**वृष**–अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे।

**मिथुन**–किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

**कर्क**–जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

**सिंह**–व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के उकसाने में न आकर महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं लें, लाभ होगा।

**कन्या**–किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें।

**तुला**–रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

**वृश्चिक**–कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें।

**धनु**–बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जोखिम न लें।

**मकर**–धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी।

**कुंभ**–कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

**मीन**–बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

## संपादकीय

# बाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा के खतरे

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए, जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है।

मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

**संजीव ठाकुर**

# तीर्थ बनते जा रहे हैं मृत्यु के मार्ग - श्रद्धा की राह में कब तक बिछती रहेंगी लाशें?

भारत एक ऐसा देश है जहाँ आस्था और आध्यात्मिकता जीवन का मूल है। यहाँ तीर्थयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, आत्मा के परिष्कार और जीवन की पूर्णता का मार्ग मानी जाती रही है। सदियों से लोगों ने तीर्थों की कठिन राहों को पार किया, तपस्या की तरह इन यात्राओं को जिया और धर्म, संस्कृति और आस्था के समागम से जीवन को एक नई दिशा दी। लेकिन बीते वर्षों की घटनाओं पर दृष्टि डालें तो साफ़ दिखाई देता है कि इन तीर्थों का पवित्र चेहरा अब व्यवस्था की उपेक्षा, प्रशासनिक असंवेदनशीलता और राजनीतिक उदासीनता से कलंकित हो चला है। तीर्थयात्रा अब श्रद्धा की नहीं, त्रासदी की यात्रा बनती जा रही है। तीर्थों पर उमड़ती भीड़ अब भक्ति की नहीं, मौत की आहट बन गई है। अमरनाथ हो या केदारनाथ, सबरीमला हो या गंगासागर, बैद्यनाथधाम हो या अयोध्या हर तीर्थ जैसे हर साल एक सुनियोजित अव्यवस्था की कब्रगाह बनता जा रहा है। इन घटनाओं को केवल प्राकृतिक आपदाएँ कह देना सस्ती चालाकी है। यह सच है कि तीर्थों के अनेक स्थल भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील हैं, हिमालय की तलहटी, गंगा के मुहाने, समुद्र किनारे या घने जंगलों के मध्य स्थित हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इन्हीं स्थानों पर सदियों से लोग जाते रहे हैं। फर्क यह नहीं पड़ा कि पहाड़ खड़े थे या मौसम कठोर था फर्क तब पड़ा जब भीड़ बढ़ी और व्यवस्था नहीं। फर्क तब पड़ा जब तीर्थ स्थलों को धार्मिक पर्यटन का तमगा पहनाकर उन्हें राजस्व का स्रोत बना दिया गया, मगर वहाँ की स्वास्थ्य व्यवस्था, आपात सेवा, और भीड़ नियंत्रण तंत्र उसी औपनिवेशिक ढर्रे पर चलता रहा, जो एक सदी पहले भी अपर्याप्त था। आज जब लाखों लोग एक साथ तीर्थों की ओर कूच करते हैं, तब हमारी व्यवस्था हर साल चौंक जाती है जैसे यह पहली बार हुआ हो। केदारनाथ की 2013 की भीषण त्रासदी ने हमें जिस भयावह यथार्थ से परिचित कराया था, वह केवल एक प्राकृतिक विपत्ति नहीं थी। वह दरअसल मानवजनित लापरवाही, अंधाधुंध निर्माण, और प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम था। जिस स्थान पर भूगर्भ वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने वर्षों पहले चेतावनी दी थी कि यहाँ निर्माण सीमित किया जाए, वहीं सरकारों ने सड़कें चौड़ी करने, होटल बनाने, और तीर्थ को स्मार्ट डेस्टिनेशन बनाने की होड़ मचा दी। परिणामस्वरूप जब बादल फटा, तो केवल जलप्रलय नहीं आया, एक युग की आस्था भी उसमें बह गई। परंतु अफ़सोस की बात यह है कि केदारनाथ के बाद भी हमने कुछ नहीं सीखा। हर वर्ष की चारधाम यात्रा में सैकड़ों जानें जाती हैं। इनमें से अधिकांश लोग ठंड, थकावट, ऑक्सीजन की कमी, या चिकित्सा के अभाव में मरते हैं। इसी वर्ष की बात करें तो उत्तराखंड के तीर्थों पर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ने सारे रिकॉर्ड तोड़े, लेकिन उस अनुपात में चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्यकर्मी,



ऑक्सीजन सुविधा, और विश्राम स्थल कहीं नहीं दिखाई दिए। तस्वीरें साफ़ कहती हैं लोग खुले मैदान में चटाई पर सोते हैं, लंबी लाइनों में बेसुध खड़े रहते हैं, और कई बार शरीर जवाब दे देता है। उनके लिए न तो हेलीकॉप्टर है, न विशेष दरवाज़ा, न प्रशासन की चिंता क्योंकि वे वीआईपी नहीं, केवल भक्त हैं। यहाँ एक और दुखद विरोधाभास हमारे सामने आता है। जिन तीर्थ स्थलों को आम श्रद्धालुओं के लिए ज़रूरी और समान रूप से सुलभ होना चाहिए, वहाँ वीआईपी संस्कृति ने धर्म की मूल भावना को विकृत कर दिया है। जब विशेष लोगों के लिए दर्शन की अलग पंक्तियाँ बनाई जाती हैं, हेलीकॉप्टर बुक किए जाते हैं, रास्ते रोके जाते हैं, तो वह तीर्थ भावना के नहीं, हैसियत के हिसाब से बँट जाता है। क्या ईश्वर की प्राप्ति की योग्यता अब समाजिक रुतबे, पैसा और पद पर निर्भर है? आम श्रद्धालु जो वर्षों से पैसा जोड़कर, शरीर को कष्ट देकर, बच्चों को छोड़कर तीर्थयात्रा पर निकलता है, उसके हिस्से में केवल प्रतीक्षा, अपमान और कभी-कभी मौत ही क्यों आती है? आइए एक क्षण के लिए यह कल्पना करें कि यदि तीर्थयात्रा को एक मानवाधिकार के रूप में देखा जाए तो क्या व्यवस्था का यह चेहरा वैध ठहराया जा सकता है? क्या जीवन की सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छ जल, विश्राम और यातायात सुविधा को केवल भक्ति का विषय मानकर टाला जा सकता है? संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीवन और गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है – फिर तीर्थयात्रा के दौरान यह अधिकार क्यों भंग होता है? यह प्रश्न भी है कि इन तीर्थों को राजनीतिक हथियार बनाकर क्यों प्रस्तुत किया जाता है? हर सरकार इन स्थलों के सौंदर्यीकरण, विस्तार और आधुनिकीकरण की योजनाएँ घोषित करती है। करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट बनते हैं, टेंडर पास होते हैं, उद्घाटन होते हैं, लेकिन जब भी भीड़ आती है सारा सिस्टम चरमरा जाता है। जहाँ राजनीति श्रद्धा को हथियार बनाती है, वहाँ शासन व्यवस्था उसे बोझ समझती है। यह दोहरा चरित्र अब लोगों की जान पर बन आता है। प्रश्न उठता है कि इन त्रासदियों के बाद क्या होता है? क्या किसी अधिकारी को दंडित किया गया? क्या कोई उच्चस्तरीय जांच समिति बनी? क्या उस समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक हुई? क्या भविष्य के लिए कोई पुनर्निर्माण नीति बनी? उत्तर नकारात्मक है। वास्तव में इन हादसों को ईश्वर की मर्जी कहकर प्रशासन खुद को मुक्त कर लेता है। मीडिया चंद दिन शोक मनाता है, फिर दूसरी ब्रेकिंग न्यूज़ की ओर बढ़ जाता है। पर जो माँ बेटे को खोती है, जो पिता अपनी बेटी की लाश लेकर लौटता है, उसके लिए तीर्थ एक आजीवन अभिशाप बन जाता है।सबसे त्रासद स्थिति यह है कि ये घटनाएँ अब सामान्य मानी जाने लगी हैं। लोगों की संवेदना इतनी कुंद हो गई है कि तीर्थयात्रा में मौत की खबरें अब चौंकाती नहीं, बल्कि स्वाभाविक मान ली जाती हैं। क्या यही वह सभ्यता है जहाँ आस्था को सर्वोपरि माना जाता है?सवाल केवल सुविधाओं का नहीं, दृष्टिकोण का है। हमें तीर्थस्थलों को धार्मिक स्थल के साथ-साथ जन-स्वास्थ्य और सुरक्षा के नजरिए से भी देखना होगा। वहाँ पर स्थायी स्वास्थ्य केंद्र स्थापित होने चाहिए। यात्रा से पहले पंजीकरण अनिवार्य किया जाए और एक दिन में जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का वैज्ञानिक निर्धारण हो। मौसम की जानकारी साझा करने और किसी आपात स्थिति में यात्रा रोकने के लिए एक मजबूत आपात संचार तंत्र विकसित किया जाए। स्थानीय समुदाय को यात्रा संचालन में भागीदार बनाया जाए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आश्रय और मदद की भावना को संस्थागत रूप दिया जा सके। तीर्थस्थान के विकास में पर्यावरणीय दृष्टिकोण सर्वोपरि हो। बिना पर्यावरणीय मूल्यांकन के कोई निर्माण कार्य न हो। पहाड़ों की कटाई, नदी प्रवाह में परिवर्तन, और असंतुलित भवन निर्माण लंबे समय में केवल आपदा को न्योता देते हैं।तीर्थयात्रा का उद्देश्य केवल ईश्वर की मूर्ति को देखना नहीं है, वह आत्मा को उसके मूल से जोड़ने का साधन है। अगर उस यात्रा में कष्ट है तो वह तपस्या है, लेकिन अगर उस कष्ट में अव्यवस्था, अनदेखी और असमानता है तो वह पाप है व्यवस्था का पाप, जो श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थात्मक बलि बना देता है। यह संपादकीय केवल आलोचना के लिए नहीं, चेतावनी के लिए है। यह उन सबकी ओर से एक पुकार है जो तीर्थ यात्रा पर जाते हैं, जिनके पास हेलीकॉप्टर नहीं, पैसा नहीं, लेकिन श्रद्धा है। यह समय है कि हम तीर्थयात्रा की अवधारणा को फिर से पवित्र करें। भौतिक नहीं, वैचारिक स्तर पर। तीर्थ केवल पर्यटन स्थल नहीं हैं, वे हमारी सामूहिक चेतना के केन्द्र हैं। अगर वहाँ लोग मरेंगे, तो केवल श्रद्धालु नहीं मरेगा विश्वास मरेगा, सभ्यता मरेगी, और वह रिश्ता भी, जो इस देश को उसकी आत्मा से जोड़ता है। श्रद्धा को व्यवस्था की सज़ा बनाना केवल धार्मिक असंवेदनशीलता नहीं, मानवता का अपराध है। तीर्थों को फिर से जीवनदायिनी बनाना अब केवल धार्मिक दायित्व नहीं, एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

**हंसराज चौरसिया**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री विरेंद्र कुमार तिवारी सरोजनीनगर में कार्यकर्ताओं के साथ आज सुनेंगे "मन की बात" श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ होगा वृक्षारोपण

**लखनऊ।** भाजपा संगठन की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की "मन की बात" एवं डाश्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर "पुष्पांजलि" तथा बूथ पर आयोजित "वृक्षारोपण" कार्यक्रम में लखनऊ जिले में सरोजनीनगर मण्डल के बूथ नं0-253 आजादनगर में वीरेन्द्र कुमार तिवारी पूर्व राज्य मंत्री एवं पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा द्वारा पूर्वाह्न 10.45 बजे से मध्याह्न 12.30 बजे तक किया जाएगा । यह जानकारी सरोजनीनगर मंडल के भाजपा के अध्यक्ष विवेक राजपूत ने दी।

### 1857 की क्रांति की महान्यायिका वीरांगना उदा देवी पासी की जयंती पर मनाया गया जनमहोत्सव

**सीतापुर** महाराजाछीतापासी सेवा संस्थान के तत्वधान में,दिनाँक 29 जून दिन रविवार समय 10 बजे से जिला पंचायत मुख्यालय निकट जिलाधिकारी कार्यालय के निकट कचहरी सीतापुर में, 1857 की क्रान्ति की महानायिका वीरांगना उदादेवी पासी की जयन्ती वर्ष की पूर्व संध्या पर जनमोत्स्व मनाया जायेगा,संगठन के जिला संयोजक सन्तोष भार्गव द्वारा समाज मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित समाजसेवियों को सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजक सन्तोष भार्गव ने समाज के हर जागरूक सदस्यों से अपील की है,1857 की क्रान्ति की महानायिका जिन्होंने 36 अँग्रेजों को मार कर वीरगति को प्राप्त हुई,ऐसी महान वीरांगना माता उदादेवी पासी के जनमोत्स्व पर उन्हें याद कर उनके बलिदान को नमन करें।

### सीतापुर मे लगातार प्राइवेट हॉस्पिटलो में हो रही मौतों का जिम्मेदार कौन स्वास्थ्य विभाग के आलाधिकारी मौन क्यों

**सीतापुर** यूपी के सीतापुर जिले मे लहरपुर कस्बा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेडीकेयर प्राइवेट हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद विवाहिता की मौत हो गई वही परिजनों ने डॉक्टरों पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि डिलीवरी के लिए परिजन आशा बहु के जरिए मेडिकेयर हॉस्पिटल मे प्रसूता को भर्ती कराया था जहाँ महिला के ऑपरेशन के बाद हालत खराब होने से मौत हो गई हॉस्पिटल का स्टाप परिजनों को मैनेज करने मे जुटे हुए है और नबीनगर के कुछ तथा कथित नेता प्रसूता की मौत का सौदा चंद कागज के टुकड़ो का कराने में लगे हुए है सवाल यह उठता है स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी लगातार प्राइवेट हॉस्पिटलो मे हो रही मौतों पर सशक्त कार्यवाही क्यों नहीं कर पा रहे जिससे मौत के सौदागरो पर अंकुश लगे एक बड़ा सवाल जनता मे चर्चा का विषय बना हुआ है।

### पहली मोहर्रम को निकला जन्नो बीबी का ताजिया

**बांदा।** पहली मोहर्रम शुक्रवार की रात जन्नो बीबी का ताजिया जुलूस निकाला गया ! मर्दननाका स्थित मरहूम एजाज चचा के घर से शुरू हुआ ताजिया जुलूस मातमी धुनों के साथ अपने परंपरागत रास्तो मर्दननाका, कुंजरहटी, मनोहरी गंज, होता हुआ कोतवाली रोड पर स्थित इमामबाड़े में रखा गया। देर रात निकले ताजिया जुलूस में अकीदतमंदों की खासी भीड़ रही। जुलूस में मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष डा.शोएब नियाज़ी (शीबू), आसिफ अली, रसीद आतिशबाज, हाजी मलिक नियाज़ी, नत्थू, सगीर बाबा, दानिश न्याजी, निहाल अहमद मौजूद रहे।

# रविंद्रालय, लखनऊ में यादव महासभा का भव्य सम्मेलन सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात
प्रगति यादव संवाददाता- लखनऊ

**लखनऊ।** आज लखनऊ के रविंद्रालय, चारबाग में यादव महासभा एवं राष्ट्रीय हिंदू महासभा के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सम्मेलन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष यादव महासभा जस्टिस रविंद्र सिंह यादव ने की, जबकि प्रदेश अध्यक्ष यादव महासभा श्री कसान सिंह यादव ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर प्रतापगढ़ जनपद से भी यादव समाज के कई प्रमुख प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इनमें जिला अध्यक्ष यादव महासभा भागीरथी यादव (कुंडा, प्रतापगढ़), पूर्व सपा नेता राम अवध यादव 'काका', प्रदेश सचिव, केदारनाथ यादव (प्रदेश सचिव, समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश) और अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए प्रतापगढ़ सदर से पूर्व विधायक एवं सपा के वरिष्ठ नेता नागेंद्र सिंह यादव उर्फ मुन्ना ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन में सामाजिक एकता, राजनीतिक जागरूकता, तथा यादव समाज के अधिकारों एवं भविष्य की दिशा को लेकर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने संगठन की मजबूती और युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष बल दिया।

# नाबालिक युवती को बहला-फुसलाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

**मोहनलालगंज। लखनऊ,** राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अहम सफलता हासिल करते हुए दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस मामले में इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी ने एक युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर शारीरिक शोषण किया था। यह मामला बीते 18 मई का है, जब मोहनलालगंज थाने में एक महिला ने अपनी 18 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद मोहनलालगंज पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और मामला संदिग्ध पाते हुए युवती की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गईं।जांच के दौरान यह सामने आया कि युवती को पुरसैनी गांव निवासी अमरेश उर्फ बृजेश, जो कि पहले से शादीशुदा है, बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। पुलिस ने लगातार प्रयास करते हुए युवती को सकुशल बरामद कर लिया।

बरामदगी के बाद युवती का मेडिकल परीक्षण कराया गया और आयु की पुष्टि हेतु दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें वो नाबालिक पाई गई। युवती के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है।साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए शनिवार को विशेष टीम की मदद से आरोपी अमरेश उर्फ बृजेश को कल्ली पूरब मेन रोड से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए जेल भेज दिया गया। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि महिला संबंधी अपराधों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़िताओं को न्याय दिलाना और अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजना पुलिस की प्राथमिकता है।

# निगोहां में देशी शराब दुकान पर उड़ रही नियमों की धज्जियाँ

● .....सुबह 6 बजे से हो रही अवैध बिक्री, पुलिस संरक्षण का चौंकाने वाला दावा।

स्वतंत्र प्रभात

**नगोहां। लखनऊ,** राजधानी लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव स्थित देशी शराब की दुकान पर नियम-कानूनों को खुलेआम ताक पर रखकर शराब की अवैध बिक्री की जा रही है। नियमों के मुताबिक शराब की दुकानें निर्धारित समय से पहले नहीं खुल सकतीं, लेकिन यहां सुबह 6 बजे से ही शराब बिकनी शुरू हो जाती है।स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सिलसिला कोई नया नहीं है बल्कि लंबे समय से चल रहा है। खास बात यह है कि बिक्री खुलेआम न होकर चोरी-छिपे की जा रही है। दुकान के पीछे की खिड़की से ग्राहकों को शराब दी जाती है। इतना ही नहीं, ग्राहक से निर्धारित कीमत से अधिक पैसे भी वसूले जा रहे हैं, यानी ओवररेटिंग भी खुलेआम हो रही है।

जब इस अव्यवस्था को लेकर मीडिया ने दुकान पर मौजूद सेल्समैन से बात की तो उसने जो बताया, वह चौंकाने वाला था। सेल्समैन ने कहा कि उन्हें हर महीने पुलिस को टैक्स देना पड़ता है, तभी यह अवैध कारोबार निर्बाध रूप से चल पाता है।सेल्समैन की इस स्वीकारोक्ति ने पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां एक ओर सरकार और प्रशासन शराब बिक्री में पारदर्शिता और नियंत्रण की बात करते हैं, वहीं इस तरह की घटनाएं पूरी व्यवस्था की पोल खोल रही हैं। सरकारी नियमों के तहत देशी शराब की दुकानें सुबह 10 बजे के बाद खुलती हैं और शराब की बिक्री के लिए स्पष्ट समय सीमा तय की गई है। ओवररेटिंग और तय समय से पहले बिक्री, दोनों ही दंडनीय अपराध हैं।अब सवाल यह उठता है कि निगोहां पुलिस और आबकारी विभाग इस मामले पर क्या कार्रवाई करता है। क्या शराब माफिया और पुलिस की मिलीभगत की निष्पक्ष जांच होगी या यह मामला भी पहले की तरह दबा दिया जाएगा स्थानीय निवासियों ने इस मामले की जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में इस तरह के अवैध धंधों पर लगाम लगाई जा सके।

# थाना दिवस में डीसीपी दक्षिण जोन और एसीपी ने सुनी फरियाद, जनता को दिलाया न्याय का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात

**निगोहां, लखनऊ।** निगोहां में थाना दिवस के अवसर पर शनिवार को डीसीपी दक्षिण जोन निपुण अग्रवाल और एसीपी रजनीश वर्मा निगोहां थाने पहुंचे। यहां उन्होंने क्षेत्रीय जनता की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।थाना परिसर में फरियादियों की भीड़ उमड़ी रही। डीसीपी और एसीपी ने एक-एक कर आम जन की शिकायतें सुनीं और उन्हें समाधान का भरोसा दिलाया। विशेष रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े और पुलिस कार्यवाही में देरी जैसे मामलों पर अधिकारियों ने गंभीरता दिखाई।डीसीपी निपुण अग्रवाल ने कहा कि थाना दिवस आम जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण का माध्यम है, जहां व्यक्ति बिना किसी डर या सिफारिश के सीधे उच्चाधिकारियों से अपनी बात कह सकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि हर शिकायत का निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।एसीपी रजनीश वर्मा ने कहा कि पुलिसिंग का मूल उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि पीड़ित को त्वरित न्याय दिलाना भी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कुल 35 से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष पर कार्रवाई प्रक्रिया में है।इस अवसर पर समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने भी माहौल को सकारात्मक बनाया। लोगों ने पुलिस की सक्रियता और अधिकारियों की तत्परता की सराहना की।थाना दिवस जैसी पहल से न केवल कानून व्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास का रिश्ता भी प्रगाढ़ होता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद और समाधान का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है।

# सेना का कर्नल बताकर नौकरी का देता झांसा यूपी एसटीएफ ने किया गिरफ़्तार, छापेमारी के दौरान की हाथापाई

स्वतंत्र प्रभात

**सीतापुर** जनपद सीतापुर में एसटीएफ ने एक फर्जी कर्नल को गिरफ्तार किया है इस फर्जी कर्नल को लखनऊ की 2 लड़कियों को सेना में भर्ती कराने का झांसा देने के आरोप में गिरफ्तार किया है इसे लखनऊ एसटीएफ और शहर कोतवाली की संयुक्त टीम ने किया गिरफ्तार किया है। 28 जून को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि भारतीय सेना का फर्जी कर्नल बताकर बेरोजगार युवक, युवतियों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला सदस्य जनपद सीतापुर में मौजूद है इस सूचना पर तत्काल प्रतिक्रिया करते हुए निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित कर मुखबिर के बताये गये स्थान पहुंचे सूत्रों के अनुसार जब एसटीएफ की टीम ने आरोपी के घर पर छापा मारा तब उसने एसटीएफ टीम के लोगों से हाथापाई की फिलहाल व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से उपरोक्त बरामदगी हुई आरोपी की पहचान राहुल निवासी मोहल्ला नारायण नगर, सीतापुर के रूप में हुई है जो कि मूलतः मुजफ्फरनगर का रहने वाला है प्रभारी निरीक्षक अनूप शुक्ला ने बताया कि आरोपी राहुल वर्ष 2019 से 2022 तक सेना में संविदा कर्मचारी के पद पर तैनात रहा था। सेवा से निष्कासन होने के बाद उसने सेना की वर्दी, कर्नल के रैंक बैज और अन्य सैन्य सामग्री अपने पास रख ली इन्हीं का इस्तेमाल कर वह खुद को सेना का वरिष्ठ अधिकारी बताने लगा आरोपी राहुल ने लखनऊ की दो युवतियों जिसमें मुस्कान माहौर और कल्पना कुमारी को सेना में नर्सिंग असिस्टेंट की नौकरी दिलाने का झांसा दिया भरोसा दिलाने के लिए उसने फर्जी नियुक्ति पत्र भी जारी किया और युवतियों से चार लाख रुपये वसूल लिए युवतियों को जब नियुक्ति पत्र और नौकरी पर संदेह हुआ तो उन्होंने सीतापुर कोतवाली नगर में लिखित शिकायत दर्ज कराई शिकायत के आधार पर एसटीएफ और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने टीम से हाथापाई भी की उसके कब्जे से सेना की वर्दी, कर्नल के बैज, अशोक की लॉट, दस्तावेज और नकली नियुक्ति पत्र बरामद हुए हैं मुस्कान माहौर ने तहरीर में बताया- मैं और मेरी सहेली कल्पना कुमारी को एक व्यक्ति मिला जो अपने आप को आर्मी ऑफिसर बताया नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी की उक्त व्यक्ति आर्मी की वर्दी में था जिसकी नेम प्लेट पर "राहुल कुमार" अंकित था तथा कंधे पर अशोक चिन्ह व दो स्टार लगे हुए थे उसने बताया वह ग्राम तकराला, थाना खतौली, जनपद मुजफ्फरनगर का है इस समय मकान संख्या 302, नारायण नगर, सीतापुर में रह रहा है कुछ समय पूर्व लखनऊ में हमारी उस व्यक्ति से मुलाकात हुई थी बातचीत के दौरान उसने पूछा कि हम लोग क्या कर रही हैं तो हमने बताया कि हम दोनों पढ़ाई कर रही हैं इस पर उसने कहा कि वह हम दोनों को ÷नर्सिंग असिस्टेंट÷ पद पर नौकरी दिलवा सकता है लेकिन इसमें कुछ खर्चा आएगा हमने उस पर विश्वास कर लिया और इस संबंध में अपने परिजनों को सूचित किया मैंने अपनी मां के साथ मिलकर उसे 2,55,000/- (दो लाख पचपन हजार रुपये) नगद दिए और कल्पना कुमारी ने 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये) उसे दिए 27 जून को उसने हमें फोन कर बुलाया और पहले कहा कि लखनऊ कैन्ट आना है परंतु बाद में कहा कि वह किसी काम से सीतापुर आ गया है और हमारे ज्वाइनिंग लेटर उसके पास हैं उसने हमें कैसरबाग बस अड्डे से बस पकड़कर सीतापुर पहुंचने को कहा जब हम सीतापुर पहुंचे तो उसने हमें लालबाग चौराहे के पास आर्मी कैंटीन बुलाया और वहीं हमें ज्वाइनिंग लेटर दिए जो प्रथम दृष्ट्या देखने पर फर्जी प्रतीत होते हैं। जब हमने उससे फोन पर बात कर पूछताछ की तो वह अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा और धमकी दी कि ÷जो करना है कर लो, तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकते गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ पर बताया- वह महार रेजीमेंट सागर, मध्य प्रदेश में सिपाही के पद पर तैनात है उसका बैज नम्बर 10391419 एम है विगत करीब 6 माह से डीसीएम बाडी में चल रहा हूं इस समय ड्यूटी पर नही हूं वह अपने आप को भारतीय सेना का कर्नल बताकर और कर्नल की वर्दी धारण कर बेरोजगार लड़के व लड़कियों को फौज में विभिन्न पदो पर नौकरी दिलाने के नाम पर पैसा लेकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर लोगों से ठगी करता है वह पहले भी कई लोगों को इसी तरह निशाना बना चुका है सेना की इंटेलिजेंस टीम भी इस मामले की छानबीन कर रही है पुलिस ने आरोपी पर धोखाधड़ी और जालसाजी समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसटीएफ निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने आरोपी को देर रात गिरफ्तार किया है उसके पास से ठगी की रकम करीब चार लाख रुपये बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, इस आरोपी ने युवतियों से रकम को लेकर उन्हें स्वंय के द्वारा तैयार आर्मी के कूटरचित फर्जी नर्सिंग असिस्टेंट के नियुक्ति पत्र दिए थे सीओ सिटी अमन सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है!!

# मोहर्रम को लेकर पुलिस अलर्ट सिसेंडी और आसपास के गांवों में की गई पैदल गश्त और जनसंपर्क

● .....संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाई गई निगरानी, शांति समिति के साथ हुई वार्ता।

स्वतंत्र प्रभात

**मोहनलालगंज। लखनऊ,** मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी श्री निपुण अग्रवाल के निर्देशन में, अपर पुलिस उपायुक्त श्री अमित कुमावत के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज श्री रजनीश वर्मा एवं प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज श्री डी.के. सिंह के नेतृत्व में थाना मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम सिसेंडी, उत्तरगांव और केशरीखेड़ा में पैदल गश्त कर जनसंपर्क अभियान चलाया गया।संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त और आमजन से संवाद पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में सघन पैदल गश्त की गई, जिसमें ग्राम सिसेंडी और उसके आसपास के गांवों में आम जनता से संवाद स्थापित कर उन्हें मोहर्रम पर्व के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि त्योहार सभी समुदायों का है, और इसे आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए।गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन चेकिंग की गई। पुलिस टीम ने क्षेत्र में पूरी सतर्कता बरतते हुए हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रखी। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने लोगों को किसी भी अप्रिय स्थिति की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

**शांति समिति से वार्ता, सौहार्दपूर्ण त्योहार के लिए सहयोग का अनुरोध**

पुलिस अधिकारियों ने शांति समिति के सदस्यों से भी संवाद किया और आगामी त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई। समिति सदस्यों ने भी प्रशासन को भरोसा दिलाया कि वे लोगों को जागरूक कर हर संभव सहयोग देंगे।त्योहार के मद्देनज़र सतत निगरानी जारी पुलिस विभाग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि मोहर्रम के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाएगी और सभी संवेदनशील बिंदुओं पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

# बिजली केबल को लेकर विवाद भाजपा विधायक और पूर्व सपा विधायक के समर्थक आमने सामने, प्रशासन ने संभाला मोर्चा

स्वतंत्र प्रभात

**सीतापुर** जनपद सीतापुर के विकासखंड पिसावां की ग्राम पंचायत गडासा में बिजली के खंभों पर अलग-अलग मोटाई की केबल डालने को लेकर विवाद खड़ा हो गया ग्रामीणों ने 95 एमएम की मोटी केबल की मांग की उन्होंने 75 एमएम की पतली केबल का विरोध किया। शुक्रवार को सपा के पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने गांव में मोटी केबल लगाने की मांग रखी शनिवार को केबल डालने का काम शुरू होते ही ग्रामीणों ने विरोध कर दिया। सूचना मिलते ही एसडीएम शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, सीओ दीपक कुमार सिंह और थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने कहा कि दक्षिण मोहल्ले में मोटी केबल जरूरी है उन्होंने गांव में एक तरफ 55 एमएम और दूसरी तरफ 95 एमएम की केबल डालने का विरोध किया। भाजपा विधायक शशांक त्रिवेदी ने ग्रामीणों को समझाया कि सभी को पर्याप्त बिजली मिलेगी उन्होंने कुछ लोगों पर जातीय भेदभाव फैलाने का आरोप लगाया बिजली विभाग के जेई राजेश कुमार गौतम ने स्पष्ट किया कि मेन केबल 95 एमएम और ब्रांच केबल 55 एमएम की है इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होगी एसडीएम ने अधिशासी अभियंता से चर्चा की अधिकारियों ने पूरे गांव में समान बिजली आपूर्ति का आश्वासन दिया उच्च अधिकारियों से समाधान के लिए बात करने के बाद विवाद शांत हो गया!!

# ध्रुव का भावपूर्ण प्रसंग सुनकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र प्रभात

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के शांति नगर मोहल्ला में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन का आयोजन भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कथा मंच से व्यासपीठ पर विराजमान पंडित अनिल कुमार पांडे ने कथा के दूसरे दिन पंडित पांडेय ने भक्त ध्रुव चरित्र और प्रहलाद की भक्ति जैसे प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार ध्रुव ने बाल अवस्था में ही कठोर तपस्या कर भगवान नारायण को प्रसन्न किया और अमर पद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि सच्चे संकल्प और अटूट श्रद्धा से भगवान की प्राप्ति संभव है, चाहे उम्र कोई भी हो।

प्रहलाद प्रसंग में उन्होंने असुरराज हिरण्यकश्यप के आतंक के बीच बालक प्रहलाद की ईश्वरभक्ति और निष्ठा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जब अधर्म अपने चरम पर पहुंचता है, तब भगवान स्वयं धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। इसी क्रम में उन्होंने भगवान नरसिंह अवतार की महिमा का भी वर्णन किया। पूरे कथा स्थल पर श्रद्धालु ध्यानमग्न होकर प्रवचन सुनते रहे। बार-बार जयकारों की गूंज से वातावरण गूंजता रहा प्रहलाद महाराज की जय ध्रुव नारायण की जय। इस मौके पर शिवकुमार, मनोज अवस्थी, सुखेंद्र बहादुर सिंह, दीपक अवस्थी, कृष्ण कुमार मिश्रा, अनुभव मिश्रा, दिवाकर सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

# भाकियू की समीक्षा बैठक आज

स्वतंत्र प्रभात

**बांदा।** भारतीय किसान यूनियन जनपद बांदा के जिला कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारीगण सभी तहसील अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्षों एवम महिला जिला कार्यकारिणी को सूचित किया जाता है 29 जून दिन रविवार को राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन द्वारा समीक्षा बैठक होनी है जिसमें अपनी-अपनी कार्यकारिणी लेकर 11:00 बजे डाक बंगला सिंचाई विभाग नवाब टैंक बांदा में उपस्थित होने का कष्ट करें। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह पटेल ने बताया 29 जून को राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन के द्वारा समीक्षा बैठक जोनल अध्यक्ष बैजनाथ अवस्थी, मंडल अध्यक्ष कमल नयन सिंह पटेल उपस्थित रहेंगे। बैठक में जनपद बांदा के जिला कार्यकरिणी, तहसील कार्यकरिणी, ब्लाक कार्यकारिणी,नगर कार्यकारिणी वा ग्राम कार्यकारिणी एवम कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय पर गोरखपुर में हुए विरोध को लेकर सपा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर ज्ञापन दिया



**सिद्धार्थनगर।** नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय पर गोरखपुर में हुए विरोध एवं वाहन का शीशा तोड़ने एवं अभद्र व्यवहार करने पर सपा के जिलाध्यक्ष लालजी यादव की अगुवाई में शनिवार को कलेक्ट्रेट पर सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ता पहुंचकर महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंप कर कार्यवाही की मांग की है। सपा के जिलाध्यक्ष लालजी यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाए हुए कहा कि माता प्रसाद पांडेय गोरखपुर गए थे घटना के बारे में जानकारी लेने गए थे तभी उनको वहां रोका गया और कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त किया गया है। वही जनपद सिद्धार्थनगर के कुछ घटनाओं के बारे में भी ज्ञापन दिया गया पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि जिले की पुलिस एक भी काम नहीं सुनती और घटनाओं का अनसुना करती है अगर ऐसी ही स्थिति रही तो भाजपा सरकार के मंत्रियों का भी घेराव करने का काम करेंगे। इस दौरान विधायक सैय्यदा खातून, पूर्व विधायक विजय पासवान, इद्रीस पटवारी, जमील सिद्दीकी, रामसेवक लोधी, आदि मौजूद रहे।

### छाता के गांव भदावल में दो भाईयों के परिवार के बीच जमकर चले लाठी डंडे

**सात लोग हुए घायल, हाथ पैरों में चोट, पुलिस ने कराया भर्ती**

**मथुरा।** तहसील छाता के समीप गांव कोतवाली क्षेत्र से मात्र तीन किलोमीटर दूरी पर स्थित गांव भदावल में दो पक्षों में हुए झगड़ में लगभग दर्जनों लोग घायल हो गये। दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी डंडे और सरिया चले। सूत्रों के अनुसार भदावल गांव निवासी विष्णु दयाल और नारायण नाम के दोनों भाई अपने खेतों पर धान की फसल में पानी लगा रहे थे। कुछ देर बाद उनके बच्चे उनके लिए खाना पीना लेकर आए थे तभी दाऊजी रामू गोपाल गिरवर दया मोनू आदि ने दूसरे पक्ष के विष्णु दयाल और नारायण के ऊपर अचानक ताबड़तोड़ लाठी डंडे सदियों से हमला कर दिया। जिसमें विष्णु दयाल नारायण और उनके तीनों बच्चे घायल हो गए। घटना की जानकारी पर विष्णु दयाल के परिवार के अन्य व्यक्ति पहुंचे तो उन पर भी दूसरे पक्ष ने हमला कर दिया। जिसमें वह भी घायल हो गए। इसमें लगभग छह से सात लोगों के सिर और हाथ पैर में चोट आई हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया है और पुलिस मामले की छानबीन कर उचित कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी कमलेश कुमार सिंह ने बताया है कि कोतवाली क्षेत्र के समीप के गांव भदावल में किसान वर्ग के दो पक्ष में आपस में झगड़े का कारण पांच वर्ष पुरानी खेत की मेड़ का विवाद था। जिसमें विष्णु दयाल के पक्ष ने कहा कि धान की फसल के बाद में डाल लेंगे लेकिन उन्होंने नहीं माना और इसी बात पर दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है और मामले की छानबीन कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

### डीएम -एसपी ने मोहर्रम और श्रावण मास को लेकर डुमरियागंज क्षेत्र का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



**सिद्धार्थनगर।** जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा मोहर्रम, श्रावण मास तथा कावड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना क्षेत्र डुमरियागंज के ग्राम हल्लौर, बदलिया मस्जिद चौखड़ा में स्थित मन्दिर-मस्जिद एवं अन्य संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर0 द्वारा मोहर्रम के दृष्टिगरत थानाक्षेत्र डुमरियागंज के ग्राम हल्लौर, में स्थित इमामबाड़ा, जुलूस मार्ग, कर्बला स्थलों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया गया तथा आपस में सौहार्द बनाये रखने व आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाने की अपील की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि नई परम्परा न अपनाये। ताजिया की ऊॅचाई मानक के अनुरूप रखे। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने साफ-सफाई व्यस्था कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिया। ताजिया जुलूस, महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल की ड्युटी लगाये जाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही स्वयं भ्रमणशील रहकर शांति व्यवस्था स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित, क्षेत्राधिकारी व प्रभारी निरीक्षक तथा पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे

# दतिया मोड़ से नगला घीसा तक, रोड पर घटिया सामग्री को लेकर ग्रामीणों ने किया हंगामा

**● घटिया कार्य को लेकर जिला अधिकारी से करेंगे शिकायत**

स्वतंत्र प्रभात

ग्रामीण इकट्ठा होकर हंगामा करते हुए

**मथुरा-** गोवर्धन रोड से लिंक दतिया मोड़ से नगला घीसा तक गांव मोरा सकना सहित 10 गांव को जोड़ने वाली एक मात्र सड़क है आगामी गुरु पूर्णिमा को लेकर इसी रास्ते से रूट डाइवर्ट भी किया जाता है।

पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा इस रोड को बनाया जा रहा है जिसमें दो से तीन ठेकेदारों को यह कार्य दिया गया है जिसमें एक ठेकेदार के कार्य की सराहना करते हुए अन्य दो ठेकेदारों के कार्य में मिलावट वह घटिया सामग्री को लेकर आसपास गांव के लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पीडब्ल्यूडी विभाग हाय हाय जैसे नारे लगाते हुए पूर्ण जोर विरोध किया।

घटिया कार्य को लेकर शिकायत उच्च अधिकारियों तक करने और ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की इस मामले को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे बात करें यह रोड दतिया राधा कुंड तक 10 से 15 गांव को जोड़ता हुआ , 20 हजार की जनसंख्या इससे प्रभावित होगी राधा कुंड गोवर्धन तथा गोवर्धन छटीकरा बाईपास पर निकलता है।

आगामी मुड़िया मेला को लेकर यात्रियों के सुगम व्यवस्था को लेकर यहां से रूट डायवर्ट भी किया जाता है जबकि गोवर्धन रोड और सौंख रोड को वन वे के आधार पर व्यवस्था की जाती है और दूर-दूर तक बसों की लाइन लग जाती है ऐसे में इस रोड से करीब हजारों वाहन हर रोज निकलने का अनुमान होता है किसी अनहोनी का सामना न करना पड़ जाए ऐसे मै बड़ा सवाल श्व2स्र विभाग के अधिकारियों पर उठता है कि एक तरफ योगी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के आधार पर भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों कर्मचारियों पर कार्यवाही कर रही है तो दूसरी ओर मथुरा में pwd विभाग के ठेकदारों कर्मचारि घटिया और गुणवत्ता के मानक को ताक पर रखकर कार्य कर रहे है और अधिकारियों के कान में जू नहीं रेंग रही एक अपने आप में बड़ा सवाल

**वर्जन** - यह रोड मेरी संज्ञान में है जो कमी है उसे जल्द सुधारा जायेगा,अजय कुमार अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड मथुरा

# मध्य रेल आरपीएफ कर्मी- रियल हीरो- खोए हुए बच्चों को बचाने और जान बचाने वाले

स्वतंत्र प्रभात



मध्य रेल के रेलवे सुरक्षा बल ( आरपीएफ ) ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत खोए हुए बच्चों को बचाने और ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत जान बचाने के साथ रियल हीरो के रूप में उभरे हैं। इन विभिन्न ऑपरेशनों का विवरण इस प्रकार है- ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते" के तहत आरपीएफ खोए हुए/घर से भागे हुए बच्चों को खोजने और बचाने और उन्हें उनके माता-पिता/अभिभावकों से फिर से मिलाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अप्रैल से मई- 2025 की अवधि के दौरान, मध्य रेल के आरपीएफ ने गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी), अन्य फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों और चाइल्डलाइन जैसे गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय करके पिछले साल इसी अवधि के दौरान 149 बच्चों की तुलना में कुल 235 बच्चों को बचाया और उन्हें उनके परिवारों से फिर से मिलाने में मदद की है। इसमें अप्रैल 2025 में 114 बच्चे और मई 2025 में 121 बच्चे शामिल हैं, जबकि अप्रैल 2024 में 56 बच्चे और मई 2024 में 93 बच्चे शामिल हैं। मध्य रेल पर अप्रैल से मई-2025 के दौरान बचाए गए बच्चों का मंडलवार और तुलनात्मक ब्योरा अप्रैल से मई-2024 के मुकाबले निम्नानुसार है-

**आरपीएफ द्वारा बचाए गए बच्चों का तुलनात्मक आंकड़ों के साथ प्रभागवार विवरण**

मंडल अप्रैल -मई -2025 अप्रैल - मई -2024 मुंबई 53 52 ,भुसावल 62 45,नागपुर 6136,पुणे 51 10,सोलापुर 08 06,कुल 235 149 जो बच्चे किसी लड़ाई-झगड़े या पारिवारिक समस्याओं के चलते या बेहतर जीवन या शहर की चकाचौंध की तलाश में अपने परिजनों को बताए बिना रेलवे स्टेशन पर आ जाते हैं, उन्हें प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मी ढूंढ़ लेते हैं। ये प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मी बच्चों से जुड़ते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और उन्हें उनके माता-पिता से मिलाने के लिए परामर्श देते हैं। कई माता-पिता इस नेक सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हैं।

**ऑपरेशन जीवन रक्षा**

आरपीएफ कर्मी हमेशा से न केवल रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा में चौबीसों घंटे निगरानी रखने में सबसे आगे रहे हैं, बल्कि कई बार जीवन रक्षक की भूमिका भी निभाते रहे हैं। अधिकांश मामलों में सतर्क आरपीएफ ने उन यात्रियों की जान बचाई है, जो कभी-कभी लापरवाह होते हैं और चलती ट्रेन में चढ़ते या उतरते समय खतरे का सामना करते हैं। मध्य रेल आरपीएफ कर्मियों ने "ऑपरेशन जीवन रक्षक" के तहत अप्रैल-मई 2025 के दौरान 12 लोगों ( 9 पुरुष और 3 महिला ) की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 7 लोगों ( 5 पुरुष और 2 महिला ) की जान बचाई गई थी। रेलवे सुरक्षा बल के इन बहादुर जवानों के कार्यों को सुरक्षा, सतर्कता और सेवा के रूप में संक्षेपित किया जा सकता है और उन्होंने अत्यंत समर्पण, सतर्कता और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है।

# अनुपम द्विवेदी कांग्रेस के जिला महा मंत्री नियुक्त

**● शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।**

स्वतंत्र प्रभात

**प्रयागराज।** शीर्ष नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष जनाब अशफाक अहमद आईसी सी को विशेष रूप से आभार जताते हुए नव नियुक्त जिला महामंत्री अनुपम द्विवेदी ने कहा है कि पूर्व की नियुक्ति जिला सचिव पद से प्रोन्नति देते हुए जिला कांग्रेस गंगा पार कमेटी में महामंत्री के पद पर नियुक्त किया है उसके लिए मैं जिला कमेटी का आभारी हु। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस का सिपाही हूं और सदैव कांग्रेस का सिपाही रहूंगा । मैं कांग्रेस के लिए और राहुल गांधी जी के लिए सदैव कार्यकरतारहा हु और आगे भी करता रहूंगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहम्मद हारुन सिद्दीकी साहब संजय दुबे वैद जनाब जुबेर अहमद अंसारी नवाब भाई, मोहम्मद अकरम इदरीसी, मोहम्मद असलम इद्रीसी, बडे लाल शुक्ला बनारसी शुक्ला, एडवोकेट अजय तिवारी ,एडवोकेट रमेश शुक्ला, शिव कुमार केसरवानी .सदावर्त अजय दुबे अनुपम दुबे अनिल द्विवेदी अशोक शुक्ला राहुल दुबे प्रधान देवराज बिन्द विनोद कुमार बिंद राम सजीवन भारतीय वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश पांडे तथा अनुराग धर द्विवेदी



आदि को हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद। बता दे कि अनुपम द्विवेदी टाउन एरिया के वार्ड के सदस्य भी चुनाव जीत कर रहे है और शुरू से कांग्रेस पार्टी लिए संघर्ष शील रहे है। उनके पिता राजा बाबू भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में थे।और बहुगुणा जी के विश्वास पात्र माने जाते थे।अनुपम के महा मंत्री बनने से कस्बे में कांग्रेस मजबूत होगी।

# उपजिलाधिकारी के आदेश और पुलिस रोक के बावजूद नहीं रुक रहा कब्जा

स्वतंत्र प्रभात

**बारा (प्रयागराज)।** जसरा ब्लाक के अंतर्गत आने वाले जगदीशपुर गांव में एक गरीब व्यक्ति की जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, उपजिलाधिकारी बारा द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किए जाने के बावजूद दबंगों द्वारा जमीन पर अवैध निर्माण और कब्जा लगातार जारी है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि त्रिलोकी निषाद, सालिक निषाद, महेश निषाद और उमेश निषाद द्वारा न केवल जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है, बल्कि विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। लालापुर




पुलिस द्वारा कई बार रोकने के बावजूद उक्त लोग रात में चोरी-छिपे निर्माण कार्य कर रहे हैं और दीवाली जैसे त्योहार मनाकर कब्जे को पुख्ता करने का प्रयास कर रहे हैं।

पीड़ित के अनुसार, जमीन की नापजोख हल्का लेखपाल और कानूनगो की उपस्थिति में पहले ही हो चुकी है, जिसमें उक्त भूमि पर प्रार्थी का स्वामित्व सिद्ध हुआ था। इसके बावजूद दबंग किसी भी सूरत में आदेशों को मानने को तैयार नहीं हैं, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित ने प्रशासन से पुनः न्याय की गुहार लगाई है और मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि गरीबों की जमीन की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

# बीएसएनएल के आधार केंद्र में ताला, लोगों को हो रही परेशानी

स्वतंत्र प्रभात

**लालगंज (रायबरेली)।** नगर के डाकघर परिसर में स्थित बीएसएनएल के आधार संशोधन केंद्र में बीते महीने से ताला लटका हुआ है। यह केंद्र लंबे समय से बंद है, जिससे आम लोगों को आधार कार्ड में संशोधन या नया आधार बनवाने में कठिनाई हो रही है। शहर की एसबीआई, यूनियन बैंक और अन्य बैंक शाखाओं में पहले आधार केंद्र संचालित होते थे। लेकिन वर्तमान में वे सभी केंद्र बंद पड़े हैं। इससे नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़े आधार केंद्रों को फिर से शुरू कराया जाए। साथ ही नगर में नए केंद्र भी खोले जाएं ताकि भीड़ कम हो और आधार बनवाने में लोगों को आसानी हो सके। फिलहाल नगर के डाकघर में ही एकमात्र आधार संशोधन केंद्र संचालित है। यहां रोजाना लगभग 70 से 80 आधार कार्ड में सुधार किए जाते हैं। लेकिन केंद्र पर रोज 100 से अधिक लोग आते हैं। इससे भीड़ बढ़ जाती है और सभी को समय पर सेवा नहीं मिल पाती। लोगों का कहना है कि आधार कार्ड अब हर सरकारी और निजी काम में जरूरी हो गया है। स्कूल, बैंक, पेंशन, राशन, मोबाइल सिम समेत सभी कार्यों में इसकी आवश्यकता होती है। ऐसे में आधार से जुड़ी सुविधाएं हर व्यक्ति तक आसानी से पहुंचनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन से मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द बंद पड़े केंद्रों को चालू किया जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। डाकघर के पोस्टमास्टर एसके वाजपेई ने बताया कि उनके केंद्र पर रोजाना करीब अस्सी टोकन बांटे जाते हैं। प्रतिदिन 70 से 80 लोगों के आधार में संशोधन भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि यदि पहले की तरह अन्य केंद्र फिर से शुरू कर दिए जाएं तो लोगों को राहत मिलेगी और भीड़ भी कम होगी।

### खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी कर 16 नमूने लिए



**सिद्धार्थनगर।** खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने के लिए आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में दिनांक 27 एवं 28 जून दो दिवसीय छापामारी अभियान के दौरान रासी नगर बांसी, भीमापार, तेतरी बाज़ार, सनई चौराहा, कलेक्ट्रेट गेट एवं मधुकरपुर, नौगढ़ में सहायक आयुक्त खाद्य आर.एल. यादव के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा छापा मारकर कुल 16 नमूना लिया गया। जिसमें 02 सरसों तेल, 05 रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, 01 पॉमोलिन ऑयल, 01 मूंगफली तेल, 06 यूज्ड रिफाइंड सोयाबीन ऑयल एवं 01 कॉफी का नमूना संग्रहित किया गया। नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने, मिलावटी खाद्य पदार्थों एवं पीसे खुले मसालों की बिक्री न करने के लिये निर्देश दिया गया। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जय प्रकाश, हीरा लाल तथा नीरज कुमार चौधरी सम्मिलित रहे।

# सफदरजंग अस्पताल में एंटी-ग्रेविटी ट्रेडमिल का हुआ उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात



**नई दिल्ली** स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में एंटी-ग्रेविटी ट्रेडमिल का उद्घाटन स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल ने अत्याधुनिक एंटी-ग्रेविटी ट्रेडमिल के उद्घाटन के साथ उन्नत पुनर्वास सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव सुश्री रोली सिंह ने किया।इस कार्यक्रम में सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल और सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारू भांबा के साथ-साथ चिकित्सा और प्रशासनिक बिरादरी के संकाय, कर्मचारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने स्वागत भाषण में, स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के निदेशक डॉ. दीपक जोशी ने रोगी देखभाल को बेहतर बनाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को शामिल करने पर केंद्र के निरंतर जोर पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से आर्थोपेडिक्स, पुनर्वास और खेल चिकित्सा के क्षेत्रों में।

एंटी-ग्रेविटी ट्रेडमिल एक क्रांतिकारी पुनर्वास उपकरण है जो चलने या दौड़ने के दौरान रोगी के प्रभावी शरीर के वजन को 80% तक कम करने के लिए अंतर वायु दबाव तकनीक का उपयोग करता है। यह निम्नलिखित के लिए अनुमति देता है- जोड़ों पर कम तनाव के साथ पोस्ट-ऑपरेटिव रोगियों की शीघ्र गतिशीलता,

- निचले अंग की चोटों वाले व्यक्तियों के लिए दर्द रहित रिकवरी,न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के लिए बेहतर पुनर्वास

सटीक चाल प्रशिक्षण और मांसपेशियों की कंडीशनिंग के साथ बेहतर एथलेटिक प्रदर्शन इस उन्नत उपकरण की स्थापना से पोस्ट-ऑपरेटिव आर्थोपेडिक मामलों, खेल चोटों और न्यूरोरिहैबिलिटेशन से गुजरने वाले रोगियों सहित कई प्रकार के रोगियों को लाभ होगा, जिससे गतिशीलता में तेजी से और सुरक्षित वापसी संभव होगी। यह उद्घाटन भारत में रोगी-केंद्रित, प्रौद्योगिकी-संचालित स्वास्थ्य सेवा वितरण में सबसे आगे रहने के स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के दृष्टिकोण की दिशा में एक और कदम है।

# मथुरा में डबल मर्डर, बडे भाई और भतीजी को चाकू से काट डाला

**● पैर फिसलने से बच गया भतीजा, हत्यारोपी हुआ फरार**

स्वतंत्र प्रभात

**मथुरा।** गुस्सा, हैवानियत या बदला एक भाई इतना क्रूर हो गया कि अपने बडे भाई और भतीजी को चाकू से काट डाला। भतीजा बच गया कि उसका पैर फिसल गया और हत्यारोपी की पहुंच से दूर रह गया। चीख पुकार मचने के बाद घर के लोग ऊपर कमरे में पहुंचे तो देखा कमरे में दोनों खून से लथपथ तड़प रहे थे। इस सनसनी खेज वारदात से पूरे क्षेत्र में दहषत फैल गई। हत्यारोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस की तीन टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगाई गई है। सूचना पर पुलिस पहुंची पुलिस और परिजन दोनों को केडी हॉस्पिटल ले गये। बेटी की मौत केडी हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही गई। जबकि पिता को दिल्ली के एक अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले उसने भी दम तोड दिया।



मृतक अंजली का फाइल फोटो।



गोविंद नगर थाने पर मौजूद परिजन एवं रिस्तेदार।

घटना गोविंद नगर थाना क्षेत्र की है। गोविंद नगर में संजय (40) और उसका परिवार रहता है। संजय के पांच भाई है। सभी पायल बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार देर शाम करीब आठ बजे संजय का छोटे भाई खिल्लन के साथ विवाद हो गया। विवाद के बाद छोटे भाई खिल्लन ने बड़े भाई संजय और उसकी बेटी अंजलि (18 साल) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। संजय के बेटे पृथ्वी ने बताया कि वह जब बाहर निकला तो देखा कि चाचा मेरे पापा को चाकू मार रहे थे। हम लोग पापा को बचाने के लिए। मैंने चाचा को पकड़ा तो उन्होंने बहन को भी चाकू मार दिया। मुझे भी मारने जा रहे थे कि मेरा पैर फिसल गया। चाचा भी गिर गए फिर छत से कूदकर भाग गए। अंजलि 11 वीं क्लास में पढाई कर रही थी। संजय की पत्नी भगवती के मुताबिक खिल्लन की पत्नी ने घर में एक बार पांच हथियार देख लिये थे। तभी से खिल्लन की पत्नी घर छोड़कर चली गई। वह करीब 6 महीने से अपने मायके में है। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी खिल्लन के खिलाफ थाना गोविंद नगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी फरार है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 4 टीमें लगाई गई हैं। नामजद हत्यारोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# विद्युत विभाग में हादसों की इंतहा, सुधरते नहीं हालात!

**● भूतेश्वर तिराहे पर कार पर आ गिरा बडा ट्रांसफार्मर**

**● कारोबारी की कार पर गिरा तारों के साथ बिजली का खम्भा**

**● टैंकर पर गिरा हाईटेंशन लाइन का तार धूं धूं कर जल उठा टैंकर**

स्वतंत्र प्रभात



कार के उपर गिरा बिजली का ट्रांसफार्मर।

**मथुरा।** भूतेश्वर तिराहे पर लगा ट्रांसफार्मर कार पर आ गिरा। कारोबारी की कार पर गिरा तारों के साथ बिजली का खम्भा, टैंकर पर गिरा हाइटेंशन लाइन का तार धूं धूं कर जल उठा टैंकर। किसी की भैंस चिपक कर मरी तो किसी के खेत में खड़ी फसल को कर दिया राख। अचानक दौडा करंट दो कर्मचारियों की मौत ये तमाम घटनाएं दो तीन दिन में ही मथुरा में घटी हैं। यह सब इसके बावजूद है कि हर साल करोड़ों रुपये विद्युत विभाग मैंटीनेंस के नाम पर खर्च कर रहा है। बार बार पोल बदलने, तार खींचने का क्रम जारी रहता है। शनिवार को भूतेश्वर तिराहे के समीप सफेद रंग की कार खडी हुई थी। दो खम्भों के ऊपर बड़ा सा ट्रांसफार्मर रखा हुआ था। अचानक ट्रांसफार्मर गाडी के ऊपर आ गिरा। यह देख कर आसपास अफरा तफरी मच गई। यह घटना दिन में हुई जबकि रात में वृंदावन परिक्रमा मार्ग स्थित एक आश्रम के कनेक्शन पर मीटर रूम में कार्य करने के दौरान प्राइवेट बिजली कर्मचारी 26 वर्षीय विनोद पुत्र ओमप्रकाश ठाकुर और 28 वर्षीय हरेन्द्र पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम तंतूरा थाना हाईवे की करंट से चिपक कर मौत हो गई। कंट्रोल रूम पर एसएसओ कर्मवीर सिंह और स्थाई लाइनमैन धर्मेंद्र सक्सेना मौजूद थे। रिकार्ड के अनुसार एई मीटर के कॉल पर शट डाउन लिया गया और हटाया गया। इसी दौरान कार्यरत दोनों कर्मचारियों की मौत हो गई। शुक्रवार को दिन में थाना जैंत के सामने खड़े टैंकर पर हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर गिर गया। चिंगारी से टैंकर धूं धूं कर उज उठा। तीन दमकल ने मौके पर पहुंच कर दूसरे वाहनों को आग की चपेट में आने से बचाया। इससे पहले नेशनल चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेश बजाज की कार पर बिजली का खंभा टूटकर गिर गया था। इससे उनकी कार में करंट प्रवाहित होने लगा। विद्युत निगम के अधिकारियों को फोन करने के बाद 20 मिनट बाद बिजली कटी। इस दौरान वह कार में अंदर ही फंस रहे। यह सब मथुरा में सामान्य हो चला है। किसानों की फसलों में आग लगना, किसी के पशु का करंट की चपेट में आकर मर जाना अब लोगों में कौतूहल पैदा नहीं करता है। यहां तक कि अब शिकायत भी बंद हो गई हैं। भारतीय किसान यूनियन सुनील के प्रदेश प्रवक्ता पवन चतुर्वेदी कहते हैं शिकायतों का कोई मतलब नहीं, कोई सुनवाई नहीं होती उल्टे फंसाने और रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी दी जाती हैं। फेडरेशन ऑफ आल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता अजय सराफ करते हैं कि विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। इन लोगों को सिर्फ कमाई दिख रही है काम नहीं।

# संदिग्ध अवस्था में महिला की हुई मौत

**● परिजनों ने बिजली गिरने से बताया मौत का कारण**

स्वतंत्र प्रभात

**रायबरेली।** में मूसलाधार बारिश के दौरान खेत में भैंस चरा रही महिला की हालत खराब होने पर परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतुआ टप्पा पहुंचाया। मौके पर तैनात डॉक्टर राज किशोर तिवारी ने महिला को किया मृत्यु घोषित।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरु बक्शगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पूरे दुर्जन पोस्ट सुल्तान पुर खेड़ा की रहने वाली मधु पत्नी गजराज उम्र 45 वर्ष खेत में भैंस चरा रही थी अचानक मूसलाधार बारिश होने पर बिजली गिरने या जहरीले जंतु के काटने से महिला की हालत नाजुक हो गई तुरंत पारिवारिक जनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतुवा टप्पा पहुंचाया सीएचसी पर मौके पर तैनात डॉक्टर राज किशोर तिवारी ने परीक्षण करने के दौरान महिला को मृत्यु घोषित किया वहीं पारिवारिक जनों का कहना है कि बिजली गिरने से महिला की मृत्यु हुई है जबकि महिला के शरीर पर कहीं भी झूलने के निशान नहीं थे सिर्फ पैर में किसी जंतु के काटने के निशान दिखाई दे रहे थे फिलहाल पुलिस को सूचित कर दिया गया है पोस्टमार्टम के बाद ही महिला की सही मृत्यु का कारण पता चल सकेगा।

## उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि, परिजनों से की मुलाकात

**लालगंज (रायबरेली)।** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कस्बे के सर्राफा मंडी स्थित दिवंगत समाजसेवी और वरिष्ठ सर्राफा व्यवसायी प्रशांत दीक्षित उर्फ दद्दा के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। डॉ. चौहान ने कहा कि प्रशांत दीक्षित न केवल व्यापार जगत में एक सम्मानित नाम थे, बल्कि समाजसेवा में भी उनका योगदान उल्लेखनीय था। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में आयोग और पूरा समाज परिवार के साथ है। इस अवसर पर प्रशांत दीक्षित के बड़े पुत्र कपिल दीक्षित, सचिन दीक्षित पावस दीक्षित उर्फ प्रिंशू, बुद्धिलाल गुप्ता, अभिषेक सिंह, मुन्ना चौहान, मोहित दीक्षित, मोनिका सिंह और रमेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।